



# राजपत्र, हिमाचल प्रदेश (असाधारण)

हिमाचल प्रदेश राज्य शासन द्वारा प्रकाशित

शिमला, शनिवार, 22 नवम्बर, 2003/1 अग्रहायण, 1925

हिमाचल प्रदेश सरकार

कार्यालय उपायुक्त चम्बा जिला चम्बा, हिमाचल प्रदेश

कारण बताओ नोटिस

चम्बा-176310, 22 अक्तूबर, 2003

संख्या पंच-चम्बा(शिकायत) 2/9-1365-70.—चुंकि श्रीमती धोवी देवी, प्रधान, ग्राम पंचायत लनोट, विकास खण्ड सलूणी आपके विरुद्ध प्राप्त शिकायत पत्र की जांच हेतु अधीक्षक कार्यालय जिला ग्रामीण विकास अभिकरण चम्बा को जांच अधिकारी नियुक्त किया गया था। अब उपरोक्त जांच अधिकारी द्वारा कार्य पूर्ण कर लिया गया है और जांच रिपोर्ट अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत कर दी है। जांच रिपोर्ट के अनुसार आप द्वारा ग्राम पंचायत की मु० 14360.00 रुपये की राशि का दुरुपयोग किया गया है और वर्ष 2001 से 2003 तक विभिन्न समय के लिए पंचायत की धन राशि अग्रिम तथा नकद शेष के रूप में अवैध रूप से अपने पास रखी है जिसका पूर्ण विवरण परिशिष्ट (क) पर संलग्न है (प्रति साथ संलग्न) में दिया गया है इस प्रकार मु० 14360.00 रुपये की राशि व्याज सहित 12 प्रतिशत के हिसाब से पंचायत निधि में जमा करवाये।

अतः आपको निर्देश दिये जाते हैं कि आप उक्त के बारे में अपना उत्तर 15 दिनों के भीतर-भीतर प्रस्तुत करें, यदि आपका उत्तर प्राप्त नहीं होता है तो समझा जाएगा कि आपने उक्त राशियों का दुरुपयोग किया है जिसके लिए आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(2) के अन्तर्गत आगामी कार्यवाही अमल में लाई जायेगी।

चम्बा-176310, 29 अक्तूबर, 2003

संख्या पंच-चम्बा(शिकायत) 2/02-1379-84.—चुंकि उप-मण्डलाधिकारी (ना0) चुराह की जांच रिपोर्ट संख्या-914 दिनांक 15-9-2003 के अन्तर्गत श्री अब्दुल मजीद पंचायत निरीक्षक, तीसा द्वारा श्री शिव चन्द, प्रधान, ग्राम पंचायत धनेई कोठी, विकास खण्ड तीसा के विरुद्ध विकास कार्यों में पाई गई अनियमितताओं की दिनांक 18-6-2003 को जांच की गई जिसके अन्तर्गत निम्नलिखित अनियमितताएं पाई गई :—

- (1) यह कि प्रधान, ग्राम पंचायत धनेई कोठी ने सड़क निर्माण शक्तिनाला से वसुता तक में हुई अनियमितता को स्वीकारा है तथा इस पर व्यय की गई राशि मु0 20,000/- अपनी जेब से अदा करने का वचन दिया है । इससे यह प्रतीत होता है कि राशि का दुरुपयोग हुआ है ।
- (2) यह कि पुल निर्माण शक्तिनाला व मिडल स्कूल धनेई कोठी के निर्माण कार्य अभी तक अधूरे पड़े हुए हैं ।
- (3) यह कि पत्तिहारा निर्माण शक्तिनाला का कार्य पूर्ण पाया गया परन्तु व्यय बाऊचर उपलब्ध नहीं पाये गये इससे यह प्रतीत होता है कि राशि का दुरुपयोग हुआ है ।

अतः आपको लिखा जाता है कि उक्त दुरुपयोग की गई राशियों को शीघ्र एक सप्ताह के भीतर-भीतर जमा पंचायत निधि करें तथा उक्त के बारे में अपना स्पष्टीकरण 15 दिनों के भीतर-भीतर प्रस्तुत करें अन्यथा आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(2) के अन्तर्गत आपासी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी ।

चम्बा-176310, 29 अक्तूबर, 2003

संख्या पंच-चम्बा(शिकायत) 2/02-1359-64.—चुंकि भूतपूर्व प्रधान, ग्राम पंचायत कुड्डी तथा समस्त सदस्य ग्राम पंचायत कुड्डी, विकास खण्ड भटियात द्वारा जो शिकायत पत्र श्री अमर सिंह प्रधान, ग्राम पंचायत कुड्डी के विरुद्ध विभिन्न-विभिन्न विकास कार्यों में लाई गई अनियमितताओं का शिकायत पत्र जो उपायुक्त महोदय चम्बा को दिया गया था, उसकी जांच दिनांक 10-4-2003 को कार्यालय प्रबन्धक (ग्रामीण विकास अभिकरण) चम्बा द्वारा की गई थी । जांच करने पर निम्नलिखित तथ्य आपके विरुद्ध पाये गये हैं ।

- (1) ग्राम पंचायत कुड्डी के शौचालय बनाने हेतु मु0 1200.00 रुपये ग्राम पंचायत को प्राप्त हुए थे (प्रति साथ संलग्न) ग्राम पंचायत द्वारा केवल (पिट) गढ़वा ही तैयार किया गया/ बनाया गया है जबकि ऊपर का भाग शीट इत्यादि व छत नहीं बनाई गई है इससे साफ होता है कि आपने उक्त राशि का दुरुपयोग किया है ।
- (2) यह कि विकासात्मक कार्य गांव वासा कुहाल के लिए खेल मैदान माध्यमिक पाठशाला स्कूल मधाली द्रमण के कार्य हेतु मु0 70,000.00 रुपये की राशि प्राप्त हुई थी । जिस स्वीकृत राशि से आपने सिर्फ ग्राम पंचायत कुड्डी के शौचालय का निर्माण ही किया गया है जबकि शेष राशि से खेल मैदान मा0 पा0 स0 मधाली तैयार नहीं किया गया है । इससे यह स्पष्ट होता है कि आपने मु0 70,000.00 की राशि का दुरुपयोग किया है ।

अतः आपको लिखा जाता है कि आप उक्त के बारे में अपना उत्तर 15 दिनों के भीतर-भीतर खण्ड विकास अधिकारी भटियात के माध्यम से इस कार्यालय में प्रस्तुत करें यदि आपका उत्तर उक्त अवधि

तक प्राप्त नहीं होगा तो आपके विरुद्ध हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 145(2) के अन्तर्गत आगामी कार्यवाही असल में लाई जाएगी।

राहुल आनन्द (भा0 प्र0 से0),  
उपायुक्त चम्बा, जिला चम्बा,  
हिमाचल प्रदेश।

कार्यालय उपायुक्त, मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश

कार्यालय आदेश

मण्डी, 1 नवम्बर, 2003

संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0/2001-6382-88.—ग्राम पंचायत वालीचौकी, विकास खण्ड सराज, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश के अंकेक्षण अवधि 4/93 से 3/2001 से सम्बन्धित अंकेक्षण पत्र में गम्भीर अनियमितताओं व राजकीय राशी के छलहरण के मामले उद्घूत किये गये हैं, इनके सम्बन्ध में श्री श्याम सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत, वालीचौकी को इस कार्यालय द्वारा जारी कारण बनाओ नोटिस संख्या पी0 सी0 एन0-एम0 एन0 डी0/2001-6521-26, दिनांक 20-12-2002 द्वारा उक्त नोटिस में वर्णित आरोपों के संदर्भ में अपना स्पष्टीकरण 15 दिनों के भीतर-भीतर अधोहस्ताक्षरी को प्रस्तुत करने के निर्देश दिये गये थे। उक्त नोटिस अनुसार अंकेक्षण आपत्तियों पर आधारित आरोपों के संदर्भ में प्रधान, ग्राम पंचायत, वालीचौकी का स्पष्टीकरण दिनांक 17-1-2003 को इस कार्यालय में प्राप्त हुआ था। आरोपित पंचायत पदाधिकारी से प्राप्त स्पष्टीकरण के दृष्टिगत आरोपों की जांच दिनांक 13, 14-2-2003 को ग्राम पंचायत वालीचौकी के मुख्यावास पर जिला अंकेक्षण अधिकारी द्वारा की गई। ग्राम पंचायत के अभिलेख की गहन जांच पर आधारित जांच रिपोर्ट के निष्कर्ष के आधार पर प्रधान, ग्राम पंचायत के विरुद्ध निम्न आरोप सूची अनुसार आरोप सत्य सिद्ध पाये गये तथा आरोपों के सम्बन्ध में दोषी पंचायत पदाधिकारी के स्पष्टीकरण को असत्य, अग्रगण्य तथा असन्तोषजनक पाया गया।

1. यह कि निम्न विवरण अनुसार ग्राम पंचायत वालीचौकी के वचत खाता व पंचायत के जवाहर रोजगार योजना के वचत खाता संख्या 1701 से प्रधान ग्राम पंचायत द्वारा राशियों की निकासियां की गई हैं, परन्तु राशियों की निकासी से सम्बन्धित प्रविष्टियां ग्राम पंचायत द्वारा संचालित रोकड़ में नहीं की गई हैं।

क्रम संख्या	वचत खाता	निकासी दिनांक	निकाली गई राशि
1	2	3	4
1.	ग्राम पंचायत के बैंक वचत खाता हिमाचल प्रदेश सहकारिता बैंक वालीचौकी।	8-11-1993	10,000.00
2.	ग्राम पंचायत के बैंक वचत खाता हिमाचल प्रदेश सहकारिता बैंक वालीचौकी।	29-11-1993	40,000.00
3.	ग्राम पंचायत के बैंक वचत खाता हिमाचल प्रदेश सहकारिता बैंक वालीचौकी।	4-01-1994	10,000.00
4.	ग्राम पंचायत जवाहर रोजगार योजना बैंक खाता संख्या 1701 हिमाचल प्रदेश बैंक वालीचौकी।	18-05-1993	18,000.00
योग			78,000.00

उपरोक्त विवरण अनुसार प्रधान, ग्राम पंचायत द्वारा बैंक से निकाली गई राशियों का ग्राम पंचायत के रोकड़ में प्रविष्टियां न होने के कारण स्पष्ट है कि प्रधान, ग्राम पंचायत द्वारा मु० 78,000/- रुपये का छलहरण किया गया है। यह राशि दिनांक 31-7-2002 तक प्रधान, ग्राम पंचायत, वालीचौकी के हाथ में चली आ रही है। अनाधिकृत रूप से अपने हाथ में रखी उपरोक्त राशि पर वाणिज्य दर 18 प्रतिशत से व्याज मु० 1,04,692/- रुपये प्रधान, ग्राम पंचायत से 31-3-2002 तक मूल राशि सहित वसूली योग्य है।

इस सम्बन्ध में दोषी पंचायत पदाधिकारी ने आरोप के सम्बन्ध में स्पष्टता अपनी स्थिति स्पष्ट नहीं की है। मात्र पंचायत सचिव के ग्राम पंचायत में अनुपस्थित रहने व निष्ठावान न होने की बात की है। अपने स्पष्टीकरण के साथ प्रधान, ग्राम पंचायत के खण्ड विकास अधिकारी को सम्बोधित "ग्राम पंचायत वालीचौकी का नकद बाकी श्री देवेन्द्र नाथ ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी के पास" विषय के अन्तर्गत एक लेखा विवरण पंचायत निरीक्षक को पंचायत का निरीक्षण पत्र बनाते हुये सलग्न किया है, इसकी विश्वसनीयता सन्दिग्ध है। यह एक वर्क का अंकित लेखा विवरणिका की अनहस्ताक्षरित छाया प्रति है, किसी अधिकारी द्वारा सत्यापित भी नहीं की है, जबकि पंचायत निरीक्षक द्वारा किये गये निरीक्षण पर आधारित निरीक्षण पत्र सामान्यतः हस्तलिखित तथा नियमानुसार विहित प्रपत्र पर होता है, जो विधिवत पंचायत निरीक्षक के हस्ताक्षर युक्त होता है। खण्ड विकास अधिकारी से प्रधान, ग्राम पंचायत द्वारा प्रस्तुत उक्त निरीक्षण पत्र को विकास खण्ड के अभिलेख के आधार पर पुष्टि करने का अनुरोध किया गया था। खण्ड विकास अधिकारी ने ऐसे किसी निरीक्षण पत्र के अभिलेख में होने से इन्कार किया है। इस लेखा विवरणिका में भी पंचायत सचिव के हाथ मु० 14,400/- रुपये नकद शेष बताया गया है, तथा प्राथमिक पाठशाला, देवघार के निर्माण के व्यय मु० 10,590/- रुपये व ग्राम पंचायत द्वारा गोल्डन फोरेस्टरी के अन्तर्गत कार्य निष्पादन पर व्यय मु० 18,000/- रुपये के व्यय रसीदें अभिलेख में उपलब्ध न होने की पुष्टि की गई है।

2. प्रधान, ग्राम पंचायत द्वारा प्रबन्धक हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक शाखा वालीचौकी से लिखित अनुरोध कर ग्राम पंचायत वालीचौकी के बचत खाता से उपरोक्त विवरणिका के क्रमांक 2 पर दर्शाये मु० 10,000 रुपये अपने बैंक खाता संख्या 393 में दिनांक 8-11-1993 को स्थानान्तरित करवाये, जो उक्त राशि के छलहरण का स्पष्ट प्रमाण है। हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 90 व वित्त नियम 4 के अन्तर्गत उक्त राशि को पंचायत बचत खाते से निकासी की स्वीकृति पंचायत द्वारा पारित प्रस्ताव के माध्यम से प्राप्त नहीं की गई। अतः यह गम्भीर अनियमितता का मामला बनता है।

3. पैरा संख्या 1 में वर्णित विवरणिका के क्रमांक 3 व 4 पर उल्लिखित राशि मु० 10,000/- रुपये व मु० 18,000/- रुपये जो निकासियां हिमाचल प्रदेश राज्य सहकारी बैंक शाखा वालीचौकी से क्रमशः दिनांक 4-1-1994 व 18-5-1993 को की गई है, इसकी अनुमति ग्राम पंचायत से पारित प्रस्ताव के माध्यम से प्राप्त न कर हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 की धारा 43 व वित्त नियम 4 की गम्भीर उल्लंघना की है। उपरोक्त राशि मु० 28,000/- रुपये की अनियमित निकासी स्वयं प्रधान ग्राम पंचायत द्वारा बैंक से किया जाना तथा तत्सम्बन्धि प्रविष्टियां रोकड़ में न किया जाना उक्त राशि के छलहरण की ही पुष्टि करता है।

4. यह कि प्रधान, ग्राम पंचायत द्वारा मु० 6847.25 रुपये की राशि अग्रिम के रूप में अनाधिकृत रूप से दिनांक 31-7-1994 से दिनांक अंकेक्षण तक अपने हाथ में रखे हैं। इस प्रकार ग्राम सभा निधि का गम्भीर दुरुपयोग हुआ है। उक्त राशि पर वाणिज्य दर से अंकेक्षण दिनांक तक व्याज मु० 4847/- रुपये मूल राशि सहित प्रधान ग्राम पंचायत से वसूली योग्य है।

इस आरोप के सम्बन्ध में प्रधान ग्राम पंचायत द्वारा कोई स्पष्टीकरण नहीं दिया गया है।

5. यह कि व्यय रसीद संख्या 6 दिनांक 24-2-1994 के अनुसार मु0 5000/- रुपये श्री केसर सिंह सुपुत्र श्री परमा नन्द, निवासी धार को वावत पाठशाला देवधार पर व्यय किये दर्शाये गये हैं, परन्तु पंचायत अभिलेख में संधारित उक्त व्यय रसीद में व्यय का प्रयोजन अथवा कार्य के विवरण का कोई उल्लेख नहीं है। व्यय रसीद में बिना प्रयोजन के उल्लेख व्यय राशी का कोई औचित्य नहीं बनता, इस प्रकार उक्त राशी से सम्बन्धित व्यय रसीद न केवल संदिग्ध है अपितु यह प्रधान द्वारा अनियमित अदायगी का गम्भीर मामला है।

प्रधान ग्राम पंचायत द्वारा इस आरोप के सम्बन्ध में स्थिति स्पष्ट न करना आरोप की स्वीकारोक्ती समान है।

ग्राम पंचायत वालीचौकी द्वारा संधारित रोकड पृष्ठ एक पर दिनांक 24-2-2000 को व्यय रसीद संख्या 35 की प्रविष्टि की गई है। उक्त व्यय रसीद अनुसार मार्कण्डा सा मिल्ज वालीचौकी को प्राथमिक पाठशाला देवधार हेतु वावत क्रय इमारती लकड़ी की अदायगी मु0 5000/- रुपये दर्शाई गई है। व्यय रसीद में कुल क्रय इमारती लकड़ी की मात्रा तथा किस्म का कोई उल्लेख न होने के कारण यह व्यय रसीद संदिग्ध है तथा ग्राम पंचायत के अभिलेख में संधारण योग्य नहीं है। उक्त विल अनुसार यह इमारती लकड़ी मार्कण्डा सा मिल्ज से क्रय की गई, इसके स्वामी स्वयं श्री श्याम सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत वालीचौकी हैं। इस प्रकार अपनी सा मिल्ज से इमारती लकड़ी क्रय कर मु0 5000/- रुपये की राशी का पंचायत से लाभ प्राप्त किया है। यह इस गम्भीर आरोप को सिद्ध करने के लिये प्रयाप्त आधार प्रस्तुत करता है। अतः मु0 5000/- रुपये की राशी प्रधान, ग्राम पंचायत से अनियमित अदायगी बसूली योग्य है। आरोपित पंचायत पदाधिकारी इस सम्बन्ध में भी अपनी स्थिति स्पष्ट करने में असफल रहे हैं।

अतः मैं, अली रजा रिजवी (भा0 प्र0 से0) उपायुक्त मण्डी, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश उन शक्तियों के अन्तर्गत जो मुझे हिमाचल प्रदेश पंचायती राज अधिनियम, 1994 (1994 की अधिनियम संख्या 4) की धारा 145(2) तथा हिमाचल प्रदेश पंचायती राज (सामान्य) नियम, 1997 के नियम 142 में निहित हैं, श्री श्याम सिंह, प्रधान, ग्राम पंचायत वालीचौकी, विकास खण्ड सराज, जिला मण्डी, हिमाचल प्रदेश को तत्काल प्रधान पद से जनहित में निलम्बित करता हूँ, और उन्हें आदेश देता हूँ कि यदि उनके पास ग्राम पंचायत का कोई अभिलेख, चल या अचल सम्पत्ति हो तो उसे तुरन्त ग्राम पंचायत एवं विकास अधिकारी वालीचौकी के पास सौंप दें।

अली रजा रिजवी,  
उपायुक्त,  
मण्डी, जिला मण्डी (दि0 प्र0)।

नियन्त्रक, मुद्रण तथा लेखन सामग्री, हिमाचल प्रदेश, शिमला-5 द्वारा मुद्रित तथा प्रकाशित